CBSE Test Paper 01
संवाद लेखन

---

1. बढ़ते जल प्रदूषण से परेशान दो नदियों के बीच होने वाले संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।
2. कक्षा में होने वाली भाषण प्रतियोगिता हेतु प्रोत्साहित करते हुए अध्यापक व छात्र के बीच हुए संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।
3. विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।
4. पृथ्वी सारे संसार का भार सहती है और आकाश जीवन देता है। दोनों में श्रेष्ठता निर्धारित करने के लिए विज्ञान के दो विद्यार्थियों की चर्चा परस्पर को 50 शब्दों में लिखिए।

CBSE Test Paper 01

संवाद लेखन

Answer

1. पहली नदी - क्या बात है बहन? आज बहुत दुःखी दिखाई दे रही हो।
   दूसरी नदी - क्या बताऊँ? आजकल मेरा पानी पहले से भी अधिक प्रदूषित होता जा रहा है।
   पहली नदी - सच कहा तुमने। लोग अपना कचरा नदियों में बहा देते हैं। अपने जानवरों को भी हमारे पानी में नहला कर पानी प्रदूषित कर रहे हैं।
   दूसरी नदी - इतना ही नहीं कारखानों से निकलने वाले रासायनिक पदार्थ व नालों, सीवर आदि का पानी भी सीधे हमारे पानी में मिलाया जा रहा है।
   पहली नदी - हम ही नहीं हमारे जल में रहने वाले जीव जन्तु, मछलियाँ आदि भी इस प्रदूषण से परेशान हैं।
   दूसरी नदी - मनुष्य इतना स्वार्थी हो गया है कि अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति से खिलवाड़ कर रहा है।
   पहली नदी - जल ही जीवन है जब तक मनुष्य इस बात को नहीं समझेगा, इसे जल प्रदूषण से मुक्ति सम्भव नहीं है।

2. **छात्र** - नमस्कार, गुरुजी!
   अध्यापक - नमस्कार, बेटे! कहो, कैसे आना हुआ?
   छात्र - कल गाँधी जयंती है, गुरुजी। मुझे कल बाल सभा में गाँधी जी के जीवन के विषय में कुछ बोलना है।
   अध्यापक - कहो, मैं उसमें तुम्हारी क्या सहायता कर सकता हूँ?
   छात्र - गुरु जी ! मैंने गाँधी जी के विषय में भाषण लिख तो लिया है, अब उसे रट रहा हूँ। थोड़ी देर बाद आप मुझसे सुन लीजिए।
   अध्यापक - ऐसी भूल कर भी मत करना।
   छात्र - क्यों गुरु जी, क्यों नहीं?
   अध्यापक - तुम नहीं जानते, बेटे। जो चीज़ रटकर सुनाई जाती है, उसका श्रोताओं पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ता। जब तुम बोलने के लिए श्रोताओं के सामने खड़े होगे, तो तुम्हें अनेक चेहरे दिखाई देंगे। उनके चेहरों के हाव-भाव को देखकर अपने भाषण को बदलना होगा।
   छात्र - किंतु मैं तो रटे बिना एक शब्द भी नहीं बोल सकता।
   अध्यापक - ठीक है, पहले-पहल ऐसा ही किया जाता है। किन्तु यदि तुम बीच में कोई वाक्य भूल गए तो क्या करोगे?
   छात्र - इसके लिए मैं कुछ संकेत लिखकर ले जाऊँगा।

3. शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।
   गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?
   शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।
   गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के पथ पर अग्रसर होता

हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।

शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?

गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।

शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।

4. पवन - मित्र अरविन्द! आज विज्ञान की कक्षा में अध्यापिका ने पृथ्वी और आकाश के विषय में कितनी अच्छी-अच्छी और रोचक जानकारियाँ दीं।

   अरविन्द - सत्य कह रहो हो मित्र ! आज हमें पृथ्वी और आकाश के विषय में कई नए तथ्य ज्ञात हुए।

   पवन - पृथ्वी कितनी श्रेष्ठ है, कितनी सहनशीलता है उसमें। सबका भार सहन करती है।

   अरविन्द - और आकाश भी तो कितना श्रेष्ठ है। यह सभी को जीवन प्रदान करता है। यदि आकाश न हो तो पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं है।

   पवन - यदि पृथ्वी हमारा भार न सहती तो क्या होता! हमारे खाने के लिए अन्न व रहने के लिए स्थान - सब पृथ्वी पर उपलब्ध हैं।

   अरविन्द - मित्र पवन ! धरती और आकाश की श्रेष्ठता पर बहस करते हुए जमाने गुजर जाएँगे पर ये सिद्ध न हो सकेगा।

   पवन - सही कहा मित्र ये दोनों ही अपनी-अपनी जगह श्रेष्ठ हैं।